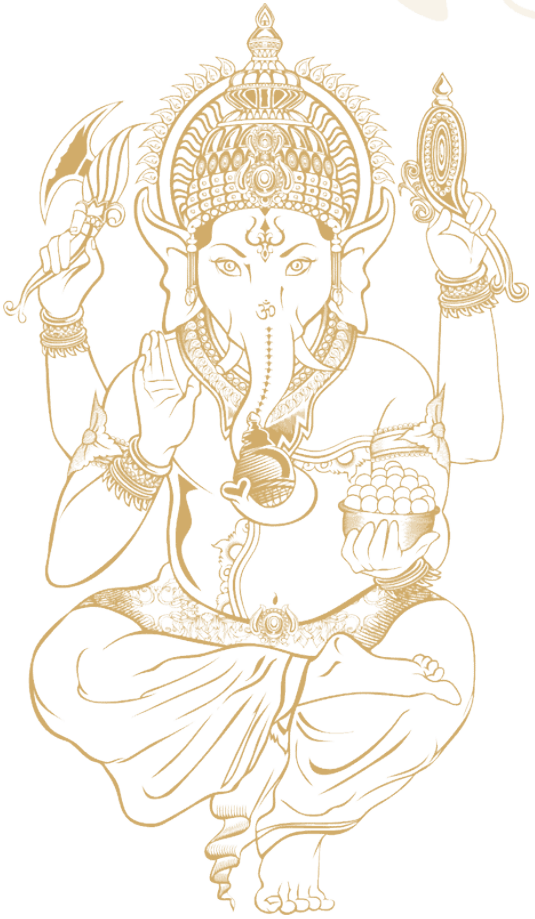

Lav Raj

14 Sep 2003

07:15 AM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121909602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/09/2003**
दिन	रविवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	02:46:51 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:51:20 घंटे
वेलान्तर	00:04:12 घंटे
साम्पातिक काल	06:21:52 घंटे
सूर्योदय	06:08:15 घंटे
सूर्यास्त	18:30:06 घंटे
दिनमान	12:21:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:56:32 सिंह
लग्न के अंश	10:57:08 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:57:08	320:42:44	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	26:56:32	00:58:24	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
चंद्र			मेष	05:33:15	12:01:21	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल	व		कुंभ	07:21:10	00:09:56	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	21:13:08	00:50:46	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	09:54:48	00:12:47	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र		अ	कन्या	04:07:01	01:14:32	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि			मिथु	17:45:51	00:04:18	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	मित्र राशि
राहु	व		मेष	28:15:07	00:03:53	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	28:15:07	00:03:53	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	06:08:04	00:02:11	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप	व		मक	16:53:27	00:01:09	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:23:59	00:00:31	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	11:06:40	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:18

लग्न-चलित

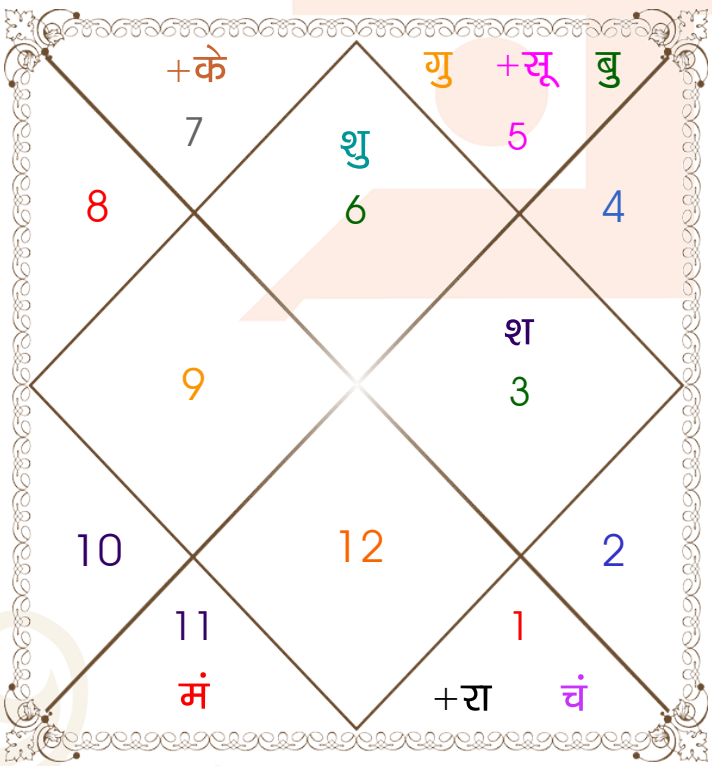

चन्द्र कुंडली

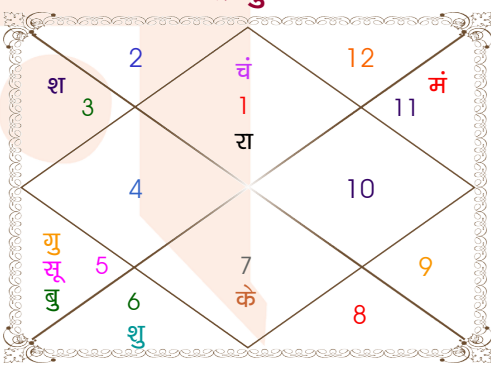

नवमांश कुंडली

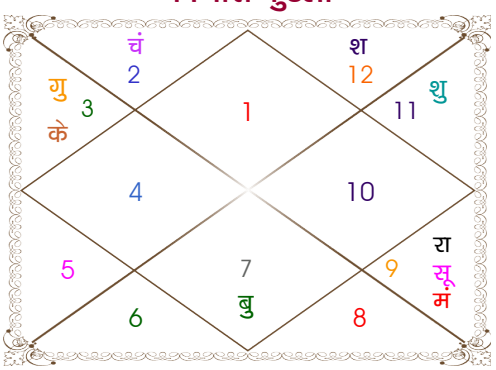

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 1 मास 0 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
14/09/2003		14/10/2007		14/10/2027		14/10/2033		14/10/2043	
14/10/2007		14/10/2027		14/10/2033		14/10/2043		14/10/2050	
	00/00/0000	शुक्र	13/02/2011	सूर्य	01/02/2028	चंद्र	14/08/2034	मंगल	12/03/2044
	00/00/0000	सूर्य	13/02/2012	चंद्र	02/08/2028	मंगल	15/03/2035	राहु	30/03/2045
	00/00/0000	चंद्र	14/10/2013	मंगल	08/12/2028	राहु	13/09/2036	गुरु	06/03/2046
	14/09/2003	मंगल	14/12/2014	राहु	01/11/2029	गुरु	13/01/2038	शनि	15/04/2047
	14/09/2003	राहु	14/12/2017	गुरु	20/08/2030	शनि	15/08/2039	बुध	11/04/2048
राहु	02/10/2004	गुरु	14/08/2020	शनि	02/08/2031	बुध	13/01/2041	केतु	07/09/2048
गुरु	07/09/2005	शनि	14/10/2023	बुध	08/06/2032	केतु	14/08/2041	शुक्र	07/11/2049
शनि	17/10/2006	बुध	14/08/2026	केतु	14/10/2032	शुक्र	15/04/2043	सूर्य	15/03/2050
बुध	14/10/2007	केतु	14/10/2027	शुक्र	14/10/2033	सूर्य	14/10/2043	चंद्र	14/10/2050

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/10/2050		14/10/2068		14/10/2084		15/10/2103		15/10/2120	
14/10/2068		14/10/2084		15/10/2103		15/10/2120		00/00/0000	
राहु	26/06/2053	गुरु	02/12/2070	शनि	18/10/2087	बुध	13/03/2106	केतु	13/03/2121
गुरु	20/11/2055	शनि	14/06/2073	बुध	27/06/2090	केतु	10/03/2107	शुक्र	13/05/2122
शनि	26/09/2058	बुध	20/09/2075	केतु	05/08/2091	शुक्र	08/01/2110	सूर्य	18/09/2122
बुध	14/04/2061	केतु	26/08/2076	शुक्र	05/10/2094	सूर्य	15/11/2110	चंद्र	19/04/2123
केतु	03/05/2062	शुक्र	27/04/2079	सूर्य	17/09/2095	चंद्र	15/04/2112	मंगल	15/09/2123
शुक्र	03/05/2065	सूर्य	13/02/2080	चंद्र	17/04/2097	मंगल	12/04/2113		00/00/0000
सूर्य	27/03/2066	चंद्र	14/06/2081	मंगल	27/05/2098	राहु	31/10/2115		00/00/0000
चंद्र	26/09/2067	मंगल	21/05/2082	राहु	03/04/2101	गुरु	05/02/2118		00/00/0000
मंगल	14/10/2068	राहु	14/10/2084	गुरु	15/10/2103	शनि	15/10/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 1 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।